

Signature and Name of Invigilator

Roll No. 

--	--	--	--	--	--	--	--

  
(In figures as per admission card)

1. (Signature) \_\_\_\_\_  
(Name) \_\_\_\_\_

2. (Signature) \_\_\_\_\_  
(Name) \_\_\_\_\_

Roll No. \_\_\_\_\_  
(In words)

Test Booklet No.

**D-2008**

PAPER – III

HINDI

[Maximum Marks : 200

Time : 2½ hours]

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 26

**Instructions for the Candidates**

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.  
**No Additional Sheets are to be used.**
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
  - (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
  - (ii) Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. Use only Blue/Black Ball point pen.
9. Use of any calculator or log table etc. is prohibited.
10. There is NO negative marking.

**परीक्षार्थियों के लिए निर्देश**

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।  
**इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।**
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
  - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
  - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. केवल नीले / काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।
10. गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।

**HINDI**

**हिन्दी**

**PAPER – III**

**प्रश्न-पत्र – III**

**नोट :** यह प्रश्न-पत्र कुल चार (4) खण्डों में विभाजित है। पूरा प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है। परीक्षार्थियों को चारों खण्डों में विभाजित प्रश्नों के उत्तर यथास्थान दिये गये आवश्यक निर्देशों के अनुसार देने हैं।

खण्ड – I

निर्देश : निम्नलिखित पद्य-अवतरण के आधार पर अधोलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम तीस-तीस (30-30) शब्दों में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के पाँच (5) अंक हैं।

सखि, नील नभस्सर से उतरा, यह हंस अहा! तिरता तिरता।  
अब तारक-मौक्तिक शेष नहीं, निकला जिनको चरता चरता।  
अपने हिम बिंदु बचे तब भी, चलता उनको धरता धरता।  
गड़ जायँ न कंटक भूतल के, कर डाल रहा डरता डरता।  
आकाश जाल सब ओर तना, रवि तंतुवाय है आज बना।  
करता है पद प्रहार वही, मक्खी सी भिन्ना रही मही।

1. 'नील नभस्सर से उतरा 'हंस' किसे कहा गया है?

2. हंस किसको चरता है और क्यों?

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

3. रवि तंतुवाय कैसे बनता है?

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

4. मही, मक्खी-सी क्यों भिन्ना रही है?

5. निम्नलिखित पाँच के अलंकार बतायें -

तारक-मौक्तिक, नीलनभस्सर, हिमबिन्दु, आकाशजाल, तंतुवाय

खण्ड – II

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम तीस (30) शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के पाँच (5) अंक हैं।

6. 'भक्ति द्राविड़ ऊपजी' का आशय स्पष्ट कीजिए।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

7. 'कविता वली' का बाल वर्णन, बाल मनोविज्ञान के सर्वथा अनुकूल है, सिद्ध कीजिए।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

8. 'भ्रमरगीत' में उद्धव की तर्क शैली गोपियों को क्यों रास नहीं आयी ?

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

9. 'अति सूधो सनेह को मारग है' का आशय स्पष्ट कीजिए।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

10. स्वच्छन्दतावाद के प्रमुख परिचायक बिन्दुओं को रेखांकित कीजिए।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

11. 'छायावाद सांस्कृतिक चेतना के उन्मेष का काल है' – कथन की सार्थकता प्रमाणित कीजिए।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



12. मोहन राकेश की नाट्य-भाषा की विशेषतायें बताइये।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

13. 'हिन्दी के तिलस्मी उपन्यासों की रचना अपने युग के अनुरूप थी' - अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

14. 'आपका बंटी' में बंटी की मानसिक अवस्था का चित्रण कीजिए।

15. नन्ददुलारे बाजपेयी की समीक्षा को 'अध्यापकीय समीक्षा' क्यों कहते हैं?

16. रेखा चित्र और संस्मरण में अन्तर बताइए।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

17. 'वक्रोक्ति काव्य जीवितम्' का आशय स्पष्ट कीजिए।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

18. आचार्य शुक्ल की निबन्ध शैली की विशेषतायें बताइए।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

19. शब्द शक्तियाँ क्या हैं, स्पष्ट कीजिए।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

20. बिम्ब और प्रतीक का अन्तर बताइए।

**खण्ड – III**

**निर्देश :** निम्नलिखित **चार वैकल्पिक वर्गों** में से **किसी एक वर्ग** का चुनाव करें और **उसी वैकल्पिक वर्ग** के **पाँचों प्रश्नों** के उत्तर दें।  
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम दो सौ (200) शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के बारह (12) अंक हैं।

**विकल्प – I : ( भक्ति काव्य )**

21. निम्नलिखित काव्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए :

सगुनहि अगुनहि नहीं कछु भेदा । गावहिं मुनि पुरान बुध बेदा ॥  
अगुन अरूप अलख अज जोई । भगत प्रेम बस सगुन सो होई ॥  
जो गुन रहित सगुन सोइ कैसे । जलु'हिम उपल बिलग नहीं जैसे ॥  
जासु नाम भ्रम तिमिर पतंगा । तेहि किमि कहिअ बिमोह प्रसंगा ॥

22. विद्रोही कवि के रूप में कबीर का मूल्यांकन कीजिए।

23. 'पद्मावत' अन्योक्ति है या समासोक्ति? विचार कीजिए।

24. गीतिकाव्य की दृष्टि से सूरदास के पदों का मूल्यांकन कीजिए।
25. 'लोक मंगल की भावना तुलसीदास के काव्य का मूल स्वर है' – इस कथन की तर्कयुक्त व्याख्या कीजिए।

### विकल्प – II ( छायावाद )

21. निम्नलिखित काव्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए :  
 आराधन का दृढ़ आराधन से दो उत्तर,  
 तुम वरो विजय संयत प्राणों से प्राणों पर,  
 रावण अशुद्ध होकर भी यदि कर सका त्रस्त,  
 तो निश्चय तुम हो सिद्ध करोगे उसे ध्वस्त।
22. कथ्य और शिल्प की दृष्टि से छायावादी काव्य का मूल्यांकन कीजिए।
23. 'कामायनी' में निहित आधुनिक संदर्भों की समीक्षा कीजिए।
24. 'निराला की कविता की भाषा प्रायः संदर्भ सापेक्ष रही है' – विचार कीजिए।
25. पंत की विकास यात्रा का क्रम निरूपित कीजिए।

### विकल्प – III ( कथा-साहित्य )

21. निम्नलिखित गद्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए :  
 गाँव के लोग बड़े सीधे दीखते हैं, सीधे का अर्थ यदि अपढ़, अज्ञानी और अंधविश्वासी हो तो वास्तव में सीधे हैं वे। जहाँ तक सांसारिक बुद्धि का सवाल है, वे हमारे और तुम्हारे जैसे लोगों को दिन में पांच बार ठग लेंगे और तारीफ यह है कि तुम ठगी जाकर भी उनकी सरलता पर मुग्ध होने के लिए मजबूर हो जाओगी।
22. प्रेमचन्द पूर्व प्रमुख हिन्दी उपन्यासों की वस्तु और शिल्प की दृष्टि से समीक्षा कीजिए।
23. 'शेखर एक जीवनी' का उपन्यास शैली के आधार पर मूल्यांकन कीजिए।
24. 'नारी चेतना की दृष्टि से जैनेन्द्र के उपन्यास अग्रणी हैं' – विचार कीजिए।
25. समकालीन हिन्दी कहानियों में चित्रित युगबोध के स्वरूप का परिचय दीजिए।

**विकल्प–IV ( काव्यशास्त्र और आलोचना )**

21. काव्य हेतु से क्या अभिप्राय है? स्पष्ट कीजिए।
22. रस निष्पत्ति विषयक विभिन्न मतों का परिचय दीजिए।
23. मार्क्सवादी समीक्षा के संदर्भ में डॉ. रामविलासशर्मा की मान्यताओं का मूल्यांकन कीजिए।
24. क्रोचे के अभिव्यंजनावाद को स्पष्ट कीजिए।
25. दलित विमर्श के सामाजिक सरोकारों का विवेचन कीजिए।





Lined writing area with 20 horizontal lines.













#### खण्ड – IV

**निर्देश :** निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अधिकतम एक हजार (1000) शब्दों में निबंध लिखिए। इस प्रश्न के चालीस (40) अंक हैं।

26. (क) कबीर का समाज दर्शन और उसकी प्रासंगिकता  
(ख) छायावाद की काव्य-भाषा  
(ग) साठोत्तर कथा साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ  
(घ) 'शब्दार्थो सहितौ काव्यम्'

















FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....